IAS Mentorship

With Riyasat Ali Sir

PARAMETERS FOR ESSAY COPY EVALUATION

		VERY GOOD	GOOD	AVERAGE	SUBSTANDARD
1.	Understanding on The Topic	✓			
2.	Context of Introduction & Relevance	✓			
3.	Understanding on the demand of ESSAY	✓			
4.	**Body Part:**				
	Contextual Clarity	✓			
	Diversity of Dimensions	✓			
	Relevance of Content/ Quotation	✓			
	Presentation & Organisation of Essay	✓			
	Connectedness & Flow	✓			
	Clarity of massage/articulation and communication	✓			
	Logical Structure and Analysis	✓			
5.	Language Competence	✓			
6.	Context of Conclusion & Relevance	✓			
7.	Legibility of hand writing	✓			

Riyasat Ali
08/09/2024

69/125

मेहनत काफी अच्छा सुधार और Improvement है। feedback को ध्यान से पढ़ें। और इस performance को साथ CSE Main Exam में निरंतरता बनाये रखें।

IAS MENTORSHIP With Riyasat Ali Sir

Dear Mohan Mangawa — आपका प्रयास इस निबन्ध में काफी सराहनीय है। आपका Hard Work के साथ-साथ Improvment भी दिख रहा है।

① प्रस्तावना — प्रस्तावना सराहनीय है। आपने निबन्ध के Theme को ध्यान में रखते हुए एक Suitable Quote से Start किया, और इसके बाद ISRO की कामयाबी/Achivement की Real story/History को निबन्ध के Core idea/Theme को बनाये रखते हुए प्रस्तावना को प्रस्तुत किया। यहीं पर ये मैसेज मिलता है कि आपको निबन्ध के मूल भाव पर अच्छी पकड़ है और आगे सारगर्भित Manner में निबन्ध लिखने वाले है। UPSC CSE Main के लिए इसे बनाये रखें।

② Body Part —

(i) Diversity in dimensions — इस क्षेत्र में भी आपका सराहनीय प्रयास है। आपने प्राचीन, मध्यकालीन, वर्तमान परिदृश्य को, निबन्ध के Theme को Re-impose करते हुए, Suitable Examples and discussion के साथ-साथ बिल्कुल सही प्रवाह में वर्णन किया। साथ-साथ वैज्ञानिक परिदृश्य से भी कई Example दिये। Sports etc. इसे ही बनाये रखें।

(ii) Deepness of thought and Connectedness → लगभग सभी Dimension में एक तार्किक निबन्ध के topic में, आपने बड़े ही तार्किक तरीके से Deep thinking, with Suitable examples, Quotation, illustrations को प्रस्तुत किया है। इसे बनाये रखे (Keep it up)

(iii) Content enrichment and its Relevance — काफी सराहनीय — लगभग सभी Dimensions में Variety of Relevant examples/Quotation at proper placing and Re-imposition of Theme of Essay made your Content excellent → Keep it up

(iv) Presentation and organisation of Essay :— काफी सराहनीय — प्रस्तावना, बॉडी पार्ट, Suggestive ideas, Analysis and Jindy Suggestive Conclusion, with good

Relevant examples with proper placing and suitable explanations and Quotes making this part good. ऐसे ही बनाये रखें।

(5) Analysis – काफी सराहनीय – तर्कसंगत तरीके से तार्किक मानसिकता बारे सोच होने के पीछे का कारण, और future generation को तार्किक मानसिकता develop करने के suggestive ideas, आपके Analysis part को अच्छा बनाते है।

(6) Conclusion :– Suggestive ideas के साथ निबन्ध के Core theme को Re-impose करते हुए Conclusion किया है। finally एक suitable futuristic Quote से end किया है। Very good

God bless you
with Excellent score
in Essay this time
All The Best

Reyasat Ali
08/09/2024

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।

It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।

To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।

We don't see things as they are, we see them as we are.

8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।

A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।

निबन्ध के theme के हिसाब से Quote सही है

"असहमति का साहस और सुधार करने की इच्छा ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।"

- मिम रोन

हमने हमारे ISRO वैज्ञानिकों को साइकिल पर पहले स्पेस मिशन के पुर्जों को लाते हुए की तस्वीरें

Very good, प्रस्तावना सही है। - आपने एक निबन्ध की theme से suitable Quote से प्रस्तावना शुरू किया और ISRO द्वारा की Real History/story से Connect कर के प्रस्तावना को अच्छा बनाया।

जरूर देखी होगी। तब वर्ल्ड मीडिया यही उपहास कर रहा था कि आखिर दोपहिया वाले ये प्रयोग चांद पर क्या ही पहुंच पायेंगे। पहुंचना तो दूर ठीक से देख लें, वही काफी है।

परन्तु इन महान ISRO वैज्ञानिकों ने इस विचार को स्वीकार नहीं किया, बल्कि खुद की क्षमताओं पर विचार करके 23 अगस्त 2023 को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंच गए।

जब हमारा रोवर प्रज्ञान और लैंडर विक्रम अशोक स्तंभ की पदछाप छोड़ रहा था, तब वही वैश्विक मीडिया ISRO वैज्ञानिकों की प्रशंसा के पुल बांध रहा था।

इस प्रकार सही ही कहा गया है कि एक शिक्षित मस्तिष्क धन कमाये विचारों को मूलतः स्वीकार नहीं करता बल्कि तार्किकता - वैज्ञानिकता की तुला पर तोलकर ही इनमें कुछ सुधारों के साथ स्वीकार करता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इसी कारण तो ISRO के तार्किक शिक्षित मस्तिष्कों ने हमारे माननीय प्रधानमंत्री को भी यह कहने का अवसर दिया-

अब चंदा मामा दूर के नहीं, टूर के हैं।

अब स्वाभाविकत: यही प्रश्न मेरे दिलो-दिमाग में घूम रहा है कि आखिर शिक्षित मस्तिष्क अस्वीकार उसे हेतु किन आधारों का प्रयोग करता है? क्या अस्वीकारोक्ति ही एकमात्र शिक्षित मस्तिष्क का मानदंड है? और यदि शिक्षित मस्तिष्क वाले नागरिक हमें चाहिए ही, तो क्या भेड़िया हमें अपनानी चाहिए?

देखिए, उपरोक्त प्रश्न हैं तो काफी उचित परन्तु यदि हम हमारे इतिहास के नक्शों को देखें तो कई ऐसे मस्तिष्कों के उदाहरण मिलेंगे ~~जिन्होंने~~ जिन्होंने अस्वीकारोक्ति द्वारा नए तार्किक मार्ग खोजें।

इसी धारा में अरस्तू, जो कि महान राजनीतिक-विज्ञान दार्शनिक रहे

बहुत सही भूमिका for this Essay.

उम्मीदवारों को, इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

का नाम हम कैसे भूल सकते हैं? ये
इस व्यक्ति का विशिष्ट मस्तिष्क ही
था कि राजतंत्र और सर्वसत्तावाद के
दौर में भी यह 'गणतंत्र (The Republic)'
की बात सोच पा रहा था।

सही

क्योंकि इनका तार्किक मस्तिष्क
उन्हें परंपराओं को मूल रूप में स्वीकार
करने की इजाजत नहीं देता।

अब यदि अरस्तु को याद
किया है तो उन्हीं के समकालीन [illegible]
अशोक महान को कैसे भी भूल सकते हैं?

जिस समय राज्य-राज्य के
बीच, धर्म-धर्म के बीच शान्ति की
गलाकाट-प्रतिस्पर्धा चल रही थी, उस
समय यह व्यक्ति ही सहिष्णुता की
'धम्म नीति' को स्वीकार करता है।

Contextually Very good example with proper explanation and Re-imposition of Essay Theme.

यह इसी तार्किक मस्तिष्क
का प्रमाण है कि अशोक पुरानी विचारों
को प्रथागत रूप में स्वीकार ही नहीं
करते बल्कि समय के साथ इनमें परिवर्तन
का महान साहस भी रखते हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इतिहास के इस समुद्र में ऐसे ही शिक्षित मस्तिष्कों की खोज के हेतु और गहरी डुबकी लगाएँ तो हमें कबीर - सम - मोती मिल ही जाता है।

जिस मध्यकालीन - सामंती समाज में धर्म- आडंबर का रूढ़िवादी बोलबाला परम पर था। इसमें यह अक्खड़ व्यक्ति इन विचारों को स्वीकार नहीं करता, बल्कि तंज कसते हुए कहता है -

"पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूं पहाड़
ताते तो चाकी भली, पीस खाए संसार।

कबीर केवल तंज ही नहीं कसते बल्कि इस रूढ़िगतता को सुधारने हेतु अपने शिक्षित मस्तिष्क से संदेश भी देते हैं - साँई के सब जीव हैं, कीरी कुंजर दोय।

हमारी विचारधारा की नाव को हम अब विज्ञान की ओर अनुप्र करें तो यहाँ भी ऐसे शिक्षित मस्तिष्क कम नहीं हैं।

मध्यकालीन चर्च समाज में किसने सोचा था कि आग या रोशनी हेतु बल्ब नाम की भी कोई चीज़ होती होगी?

Very good example from Medieval India, with proper Quotations, explanations and Re-imposition of Essay Theme

थॉमस एडिसन भी यह विचार स्वीकार कर ही सकते थे, बल्कि यह तो आसान भी था। परन्तु उनके शिक्षित मस्तिष्क ने यह इजाजत दी नहीं। बल्कि हजारों प्रयोग असफलता के बाद भी निरंतर प्रयास हेतु प्रेरणा ही प्रदान की।

यही बात टेस्ला को अपने विद्युत-चुंबकीय प्रयोगों में लगातार प्रयास हेतु प्रेरित करती रही।

देखिए शिक्षित मस्तिष्क का यहाँ मतलब औपचारिक शिक्षा से कतई नहीं निकाला जाना चाहिए। यदि विद्यालयों के चारदीवारियों में ही शिक्षित मस्तिष्क बनते तो आज देश की लगभग 77% जनता कभी तार्किक सोच रही होती।

तब यहाँ कलकत्ता रेप हत्या और नशे की हालत में धुत युवा नहीं होता। आज हमारी महिलाओं के प्रति कमजोरी की विचारधारा स्त्रीद्वेष के कारण ही हमें कई निर्भया खोनी पड़ती है।

Again relevant and good idea

Very good, Analysis start from here

excellent justification

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

बल्कि जरूरत तो आज हमें इस शिक्षित मस्तिष्क की है कि आती बेटियाँ किसी से कम नहीं है। तभी तो कहा गया है-

बोए जाते हैं बेटे, उग जाती हैं बेटियाँ,
ओलंपिक में भेजे जाते हैं बेटे,
मेडल लाती है बेटियाँ।

हमारे विचारों को हम और विस्तृत करें तो हमारा ध्यान सहज ही अवनी लेखरा, संतोष कुमारि, अरुणिमा सिन्हा पर चला जाता है।

हमारे रूढ़िगत विचार तो यही कहते हैं कि यदि आपको भगवान ने ही 'अपाहिज' (तथाकथित) बना दिया है तो आप जीवन में क्या ही करोगे?

परन्तु विचारों को अंगीकार करके जब कठोर मेहनत की जाती है तो मन शिक्षित हो ही जाता है। तभी तो उपरोक्त शख्सियतें देश का मान बढ़ा रही हैं।

कहते हैं 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' यही बात बिजनेसमेन - वैज्ञानिक

अद्भुत सराहनीय, बिल्कुल ही उपयुक्त Quote, and placed at right place in Right flow of discussion, Justification with Correct Examples

→ Now Correct Counter Argument on Essay theme

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

एलन मस्क पर लागू होती है। जब समूची NASA एवं विश्व वैज्ञानिकों के विचार केवल अंतरिक्ष तक स्पेसक्राफ्ट पहुँचाने तक सीमित था, वहाँ यह व्यक्ति अपने शिक्षित मस्तिष्क द्वारा 'अंतरिक्ष यात्रा' की सोच पा रहा था।

उपरोक्त उदाहरणों में हमने विचारों की तार्किक परीक्षा करने वाले शिक्षित मस्तिष्कों के बारे में जान लिया है। परन्तु अब यही प्रश्न उठता है कि आखिर ऐसे तर्कशील मानव मस्तिष्क बनाये कैसे जायें?

इस संदर्भ में हमारे सर्वप्रिय पूर्व राष्ट्रपति श्री अब्दुल कलाम का कथन स्वाभाविकतः ही कौंध उठता है- "यदि आप अपने देश को सुदृढ़ मनों व वास्तविक शिक्षित बनाना चाहते हो तो इसमें तीन व्यक्ति सबसे महत्वपूर्ण हैं- माता, पिता और शिक्षक।"

इस प्रकार शिक्षित मस्तिष्कों को बनाने की शुरुआत हमारे घर से ही होती है। यदि हमारे माता-पिता

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Relevant

Good and Relevant analytical point

Very good point on the development on critical thinking

बेटी-बेटे में भेद ना करें और उन्हें समान रूप से पालन-पोषण करें तो आगे चलकर पुरुष का महिला-असंवेदनशील होना मुश्किल ही है।

यही कार्य हमारी नई शिक्षा नीति-2020 कर रही है। यह बच्चों को आत्मनिर्भरता व खुले दिमाग वाले व्यक्तित्व धारण हेतु प्रेरित कर रही है। तभी तो कॉलेज का एक युवा बाजार के अनैतिक विचारों को अस्वीकार कर तार्किक रूप में सोचेगा।

इसी कड़ी में प्रशासनिक क्षेत्र में लाल-फीताशाही, यथास्थितिवाद, भ्रष्टाचार आदि विचारों को अस्वीकार करने हेतु सरकार 'मिड करियर ट्रेनिंग - कर्मयोगी' जैसे कार्यक्रम चला रही है।

इसी का परिणाम पाम आर्मस्ट्रांग, सत्येन्द्र नाथ दुबे, प्रशांत नायर जैसे सिविल सेवक हैं जो केवल बनी-बनाई लकीरों पर नहीं चलते बल्कि शिक्षित मस्तिष्क का प्रयोग करके

Correct suggestive ideas

perfect discussion flow

Good and Relevant information for तार्किक मानसिकता को develop करने वाली Education system को।

Relevant examples

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

देश - जनहित हेतु कार्य करते हैं।

इस प्रकार समग्र रूप में कहा जा सकता है कि हमें गांधी-जी के 'साधन - साध्य पवित्रता' के मार्ग को आने वाली पीढ़ियों में समाहित करना होगा, तभी हमें असत्य को अस्वीकार करने और उसे सत्य से साक्षात्कार करने वाले शिक्षित मानस प्राप्त होंगे। ~~अपनी~~ अपनी बात को मैं अपने इस संदेश से समाप्त करना चाहूंगा-

"जिंदगी की नई उड़ान बाकी है
जिंदगी में कई इम्तिहान बाकी है
अभी तो नापी है मुट्ठी भर जमीं हमने
अभी तो पूरा आसमान बाकी है।

— x — x — x —

समाप्त ☺

Good suggestive conclusion and with relevant quote.

Excellent end with futuristic and relevant quote, which itself re-impose core idea of essay.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

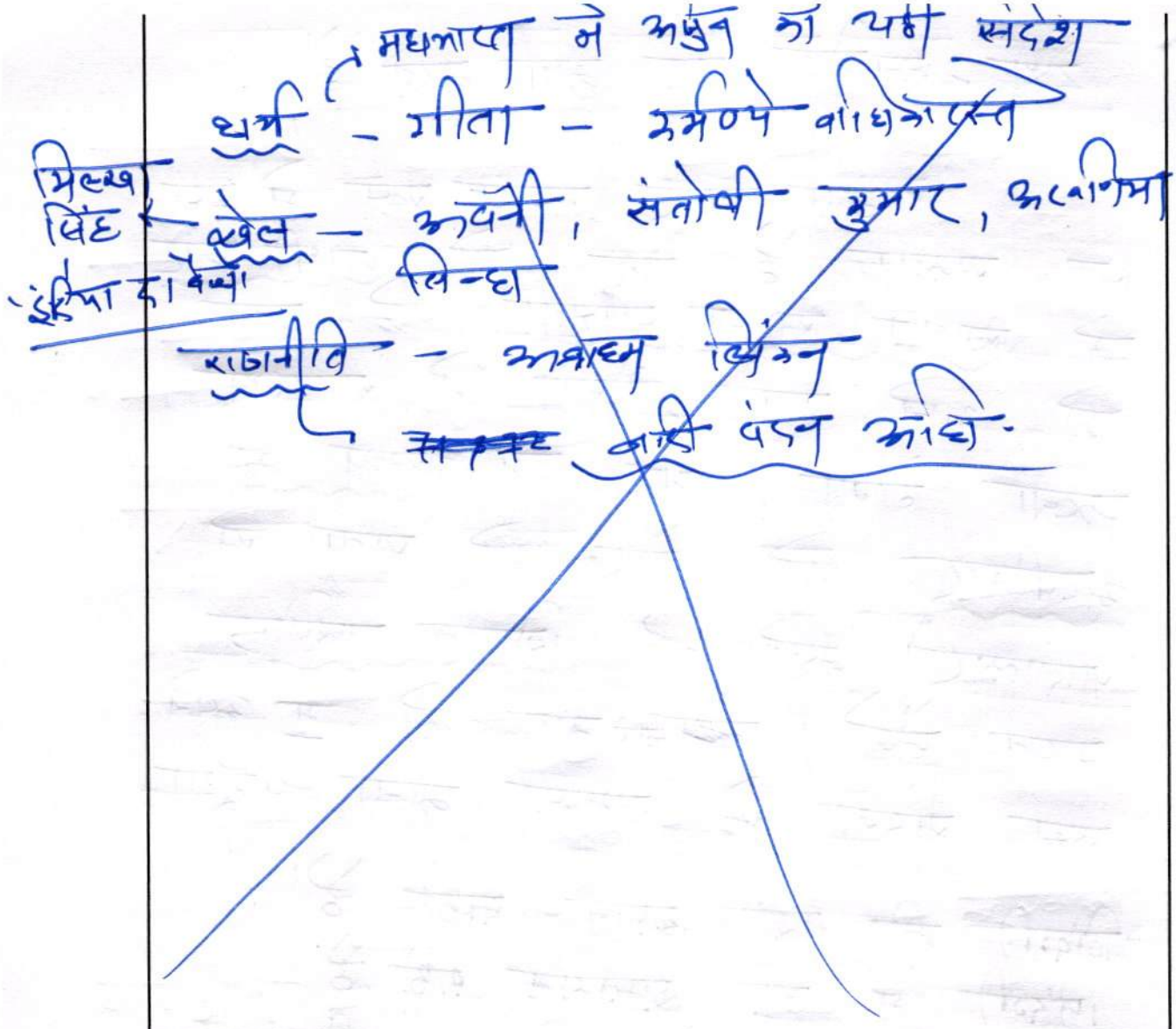

महाभारत में अर्जुन को यही संदेश

धर्म - गीता - कर्मण्ये वाधिकारस्ते

मिल्खा सिंह ← खेल - अवनी, संतोषी कुमार, अरविन्द सिन्हा

'इंडिया दा बेटा'

राजनीति - अब्राहम लिंकन

~~नारद~~ नारी चंदन आदि.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

किसी विचार को स्वीकार किए बिना तार्किकता लगाना ही शिक्षित मस्तिष्क

Intro — मैं उस व्यक्ति को शिक्षित मानता हूँ जिसने अपने विचारों में तर्कों को घुलाया है

अस्वीकारोक्ति का साहस और सुधार की मंशा ही शिक्षित

— अग्राह्य लिंग

ISRO की कहानी — 23 अगस्त

Body — प्रश्न → अस्वीकार करना ज्योतिषकरी क्या और लोगों द्वारा स्वीकृत विचार अकाट्य थे? क्या विचारशील व्यक्ति ही शिक्षित है? शिक्षित मस्तिष्क में वह तर्क-बुद्धि कैसे स्थापित करें?

उदाहरण — अरस्तु ने राजतंत्र के विरुद्ध

अशोक → युद्ध सर्वोपरि और साम्राज्य साम्राज्य से भेद → धर्म धम्म नीति

जाति - अंबेडकर

को अस्वीकार करने का साहस - भीर में

महिला शोषण को अस्वीकार - मीरा, सरोजिनी नायडू, ऐनी बेसेंट

नस्लभेद — मनु भाकर, अवनि लेखरा

रोजा पार्क्स - किंग जूनियर

विज्ञान - अंधकार युग में विज्ञान का दीपक थामना

गैलिलियो & पंख - राइट ब्रदर्स

एलन मस्क - स्पेस X

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

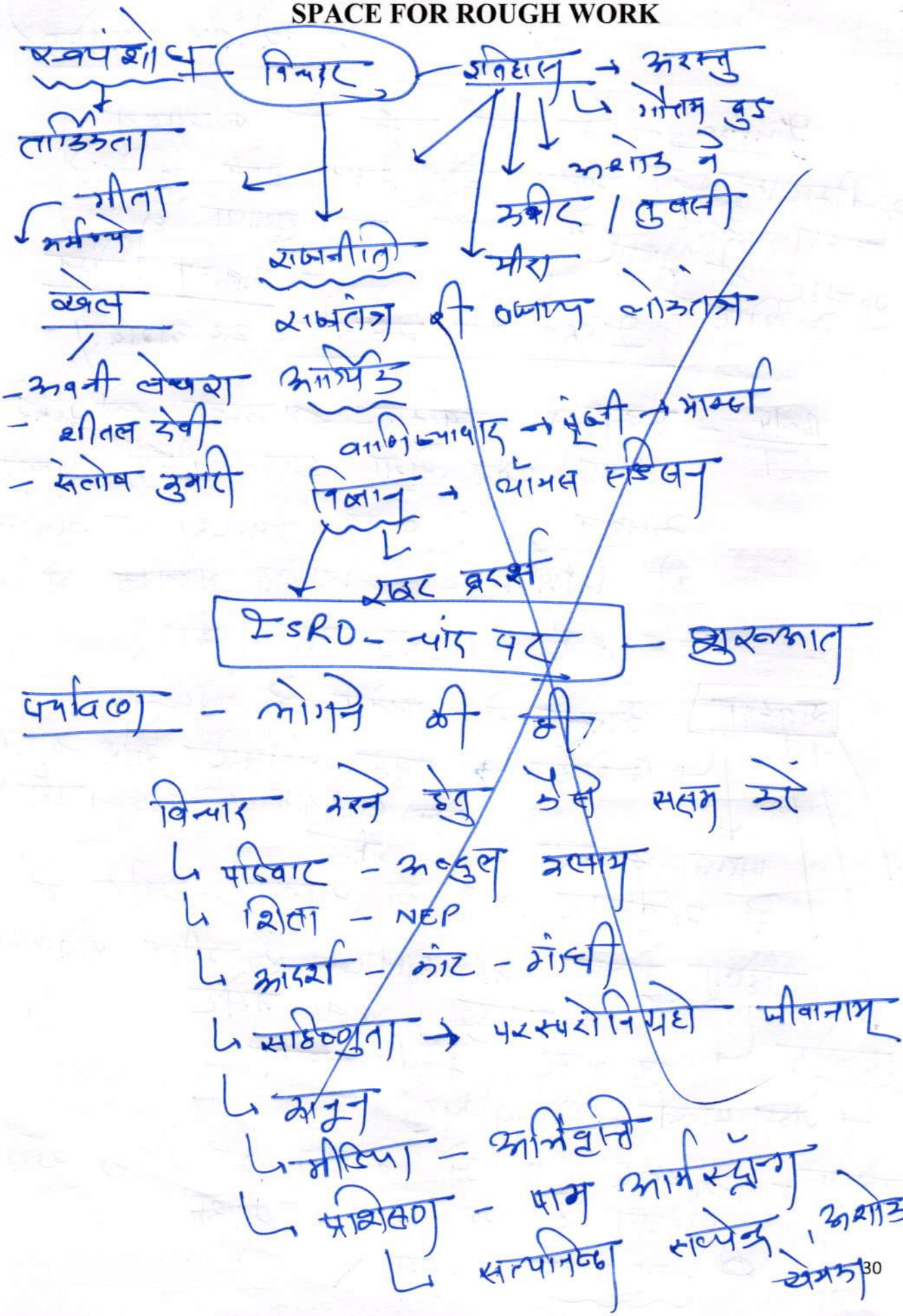

आर्थिक → बेतरतीब रूप में धन कमाने की
||
विचारधारा – पूंजीवाद vs मार्क्सवाद
L औद्योगिक क्रांति

SPACE FOR ROUGH WORK

[ओलेना के समय लोगों की इच्छा में स्वार्थपरता का आगमन]

धर्म & सांस्कृतिक –

पर्यावरण → आज मशीनी मानव ने जंगलों को उखाड़ फेंका है → इस लोगों की इच्छा ने प्रकृति के साथ अन्याय ही किया है।

[विज्ञान] → [रूह मानव, सर्वश्रेष्ठ बनने की चाह]

[गांधी का कथन]

प्रशासन → सांप्रदायिकता, (क्षेत्रवाद) (भाषा), दंगे रूपा अन्यायपूर्ण है, इसी

परन्तु अब मनोमस्तिष्क में यह भी प्रश्न उठता है कि क्या हमेशा ही लोगों की इच्छा अन्यायपूर्ण → बिल्कुल नहीं –
→ संविधान
→ उपनिवेशवाद को उखाड़
→ नेपाल में राजतंत्र को उखाड़

↓
लोगों की इच्छा सुनने की क्या आवश्यकता
↓
लोकतंत्र में लोग ही शासन कर रहे हैं। रूसो की धारणा 'जनरल विल'

SPACE FOR ROUGH WORK

लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।

↓

Intro - बहुमत में सच का अस्तित्व नहीं हो।
↓
सुकरात की कहानी
(लोगों की इच्छा परन्तु न्याय तो हम सबको ज्ञात है।
↓
शायद उस पियाले में जहर

Question → लोगों की इच्छा अन्यायपूर्ण कैसे हो जाती है। यहाँ हम लोकतंत्र को सर्वश्रेष्ठ बताते हैं वहाँ ऐसे कथन कोरा खोखला। क्या यह कथन हमेशा ही सत्य

Body → इतिहास के पन्ने → गौतम - महावीर
→ WH → मध्यकाल का काला इतिहास → कोपरनिकस, ब्रूनो
→ सती, बाल विवाह, दास, धुआं

सामाजिक → महिला
→ LGBTQ+
→ SC/ST के साथ अन्याय

राजनीति → लोकतंत्र पर उपनु
→ राजनीति का अपराधीकरण
→ असंवैधानिक कानून

अंतर्राष्ट्रीय - इजराइल-फ्रांस / यूक्रेन-रूस / चीन की विस्तारवादी